

सीबीएसई एजाम: 2020 से पूछे जाएंगे क्रिटिकल व एनालिटिकल सवाल

क्या है सीबीएसई की प्रस्तावित योजना

2020 से 10वीं और 12वीं बोर्ड एजाम को दो हिस्सों में कंडक्ट करवाया जाएगा। पहले भाग में वोकेशनल सबजेक्ट के एजाम फरवरी और दूसरे भाग में मेन सबजेक्ट के एजाम मार्च अंत तक होंगे।



Kiran Saini ■ जयपुर

पिछले साल 10वीं के लिए बोर्ड कंपलसरी के बाद इस साल सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं बोर्ड एजाम पैटर्न को बदलने का फैसला कर लिया है। इसके लिए सीबीएसई ने 2020 के लिए पूरी योजना तैयार कर ली है। सीबीएसई ने स्टूडेंट्स की क्रिटिकल थिंकिंग एबिलिटी को परखने वाले सवाल होंगे। सबसे खास बात है कि 1 से 5 अंकों वाले छोटे सवालों की संख्या ज्यादा रखी जाएगी ताकि स्टूडेंट्स रटने की जगह प्रैक्टिकल नॉलेज पर फोकस कर सकें। साथ ही स्टूडेंट्स की सीखने की क्षमता बढ़ाने और एनालिटिकल एबिलिटी के लिए वोकेशनल सबजेक्ट को शामिल किया गया है। सवाल छोटे होंगे और प्रॉब्लम सॉल्विंग पर आधारित होंगे। वहीं दूसरी ओर बोर्ड के रिजल्ट भी जल्दी घोषित किए जाएंगे। गौरतलब है कि सीबीएसई ने इस साल कोर्स से लेकर एजाम पैटर्न तक काफी बदलाव कर दिया है। कोर्स में भी इस सेशन से स्टूडेंट्स नये टॉपिक्स के साथ सिलेबस पढ़ रहे हैं।

इस बदलाव के क्या मायने हैं, सिटी भास्कर ने जाना शहर के चार एक्सपर्ट से, दिए सुझाव ताकि स्टूडेंट्स को आसानी रहे

सीबीएसई अक्टूबर तक सैंपल पेपर्स स्कूल्स में भेजे

सीबीएसई को चाहिए कि वो दिसंबर में भेजे जाने वाले एजाम सैंपल पेपर अक्टूबर में भी भेज दे। टीचर्स अभी से स्टूडेंट्स को बदले हुए पैटर्न के अनुसार स्टूडेंट्स को पढ़ा सके। अगर सैंपल पेपर दिसंबर में आएंगे तो स्टूडेंट्स को नुकसान हो सकता है।

जनवरी तक कोर्स पूरा हो जाता है और स्कूल्स में रिवीजन चल रहा होता है। दूसरे सेशन शुरू होने पर नए पैटर्न को लागू करना शायद मुश्किल हो। वहीं वोकेशनल सबजेक्ट को कम ही स्टूडेंट्स ऑट करते हैं, ऐसे में इसे कंपल्सरी करने के लिए उन्हें कई कंटेम्परेरी ऑप्शन देने होंगे।

- संदीप सेठी, पूर्व सीबीएसई ऑफिसर

एजुकेशन में क्वालिटी के लिए हर दो साल में बदलाव

अभी ये तय नहीं हुआ है कि क्रिटिकल और एनालिटिकल सवाल कैसे होंगे।

सीबीएसई समय-समय पर बदलाव करती है। इंटरनेशनल लेवल पर एजुकेशन क्वालिटी देखें तो हम से बेहतर है। यह बदलाव जरूरी है। दो साल पहले वेल्थ बेसिस सवालों को शामिल किया। चार साल पहले कॉम्प्रिहेंसिव पैराग्राफ को देख कर सवाल सॉल्व करने जैसे बदलाव स्टूडेंट्स की एजुकेशन क्वालिटी बढ़ाने के लिए हैं।

- मधु मैनी, एजुकेशनिस्ट

नीट और जेईई का खयाल

सीबीएसई रटने वाले कॉन्सेप्ट को खत्म कर कॉन्सेप्ट बेसिस यानी नीट और जेईई को ध्यान में रख कर पैटर्न बदल रही है। लंबे सवालों को इसलिए हटाया जा रहा है क्योंकि स्टूडेंट्स लंबे सवालों को रट कर याद करते हैं। अब सीबीएसई एप्लीकेशंस, कॉन्सेप्टुअल थ्योरी, न्यूमेरिकल और लॉजिकल एप्टीट्यूड बेसिस पर एजाम करवाएगी, जो जेईई और नीट के क्वेश्चन पैटर्न से मिलता जुलता है।

- आशीष अरोड़ा, एक्सपर्ट

लेट एंट्री पर ज्यादा सख्ती

सीबीएसई बोर्ड काफी चीजों को लेकर बदलाव कर रहा है। ताकि स्टूडेंट्स डिसिप्लिन में रहना सीखें और ज्यादा जिम्मेदार व समझदार बनें। 2019 के बोर्ड एजाम में देर से आने वाले स्टूडेंट्स को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अब तक 15 मिनट तक देरी से आने वाले स्टूडेंट्स को एजाम में बैठने दिया जाता था। अब बोर्ड लेट आने वाले स्टूडेंट्स को बिलकुल एंट्री होने पर किसी भी हालत में नहीं होगी।

- रीटा भार्गव, एजुकेशनिस्ट

2020 में 10वीं और 12वीं एजाम का प्रस्तावित पैटर्न

- क्वेश्चन पेपर एनालिटिकल और प्रॉब्लम सॉल्विंग पर आधारित होगा।
- छोटे सवालों की संख्या ज्यादा होगी।
- स्टूडेंट्स की क्रिटिकल थिंकिंग एबिलिटी पर फोकस किया जाएगा।

क्या बदलाव हुआ एजाम पैटर्न में

- फरवरी में वोकेशनल सबजेक्ट के एजाम होंगे।
- मेन सबजेक्ट के एजाम मार्च अंत में होंगे।
- रिजल्ट भी जल्द जारी कर दिया जाएगा।

स्कूल्स के लिए अब नए नियम

- सीबीएसई से एफिलिएशन आसान और कम समय में प्रोसेस होगा।
- रिन्युअल या एफिलिएशन के लिए स्कूल्स की एकेडमिक क्वालिटी पर फोकस किया जाएगा।
- स्टेट गवर्नमेंट स्कूल्स की फैसिलिटीज को खुद परखेंगी।